KIDS CORNER HAPPY INTER COLLEGE

FIROZABAD

Dear, Students complete this work and bring it when school opens.

Social- For class 9th

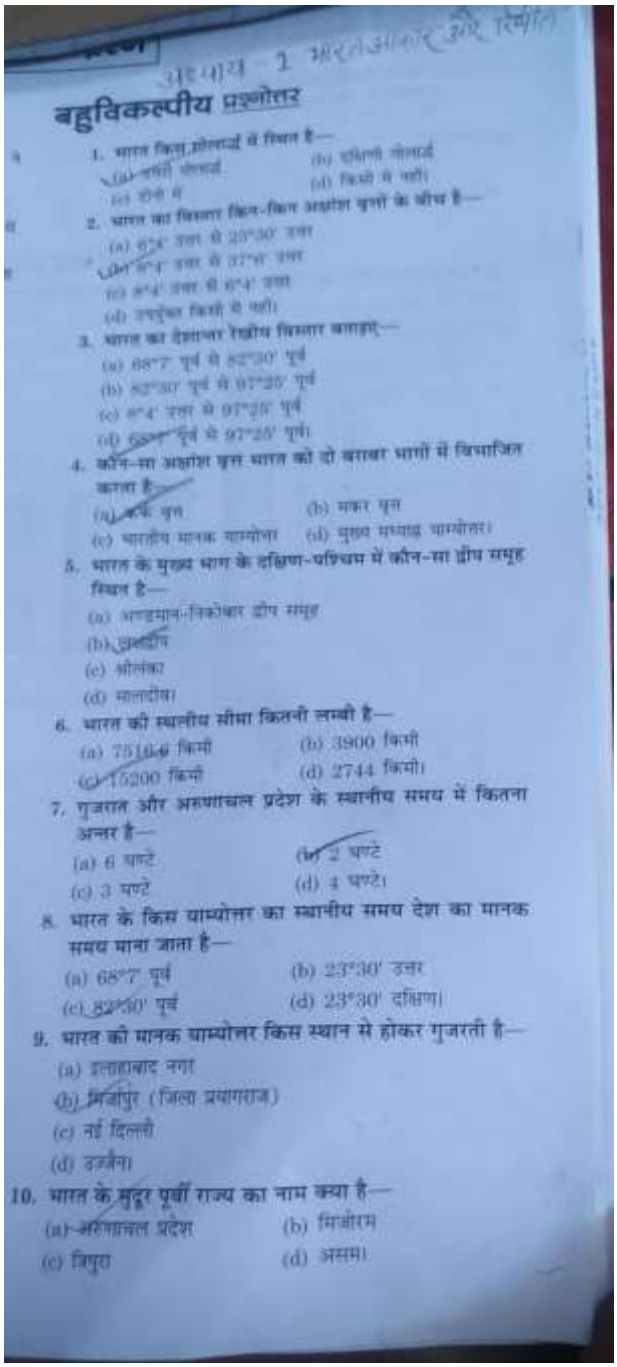

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. भारत किस गोलार्द्ध में स्थित है—
(a) उत्तरी गोलार्द्ध (b) दक्षिणी गोलार्द्ध
(c) दोनों में (d) किसी में नहीं।

2. भारत का विस्तार किन-किन अक्षांश वृत्तों के बीच है—
(a) 8°4' उत्तर से 23°30' उत्तर
(b) 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर
(c) 8°4' उत्तर से 8°4' उत्तर
(d) उपर्युक्त किसी में नहीं।

3. भारत का देशान्तर रेखीय विस्तार बताइए—
(a) 68°7' पूर्व से 82°30' पूर्व
(b) 82°30' पूर्व से 97°25' पूर्व
(c) 8°4' उत्तर से 97°25' पूर्व
(d) 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व।

4. कौन-सा अक्षांश वृत्त भारत को दो बराबर भागों में विभाजित करता है—
(a) कर्क वृत्त (b) मकर वृत्त
(c) भारतीय मानक याम्योत्तर (d) मुख्य भूखण्ड याम्योत्तर।

5. भारत के मुख्य भाग के दक्षिण-पश्चिम में कौन-सा द्वीप समूह स्थित है—
(a) अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह
(b) लक्षद्वीप
(c) श्रीलंका
(d) मालदीव।

6. भारत की स्थलीय सीमा कितनी लम्बी है—
(a) 7516.6 किमी (b) 3900 किमी
(c) 15200 किमी (d) 2744 किमी।

7. गुजरात और अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में कितना अन्तर है—
(a) 6 घण्टे (b) 2 घण्टे
(c) 3 घण्टे (d) 4 घण्टे।

8. भारत के किस याम्योत्तर का स्थानीय समय देश का मानक समय माना जाता है—
(a) 68°7' पूर्व (b) 23°30' उत्तर
(c) 82°30' पूर्व (d) 23°30' दक्षिण।

9. भारत को मानक याम्योत्तर किस स्थान से होकर गुजरती है—
(a) इलाहाबाद नगर
(b) मिर्जापुर (जिला प्रयागराज)
(c) नई दिल्ली
(d) उज्जैन।

10. भारत के सुदूर पूर्वी राज्य का नाम क्या है—
(a) अरुणाचल प्रदेश (b) मिजोरम
(c) त्रिपुरा (d) असम।

1. भारत के दक्षिण भाग में स्थित दो पड़ोसी देश कौन-कौने से हैं—
(a) मालदीव और श्रीलंका
(b) श्रीलंका और पाकिस्तान
(c) पाकिस्तान और अफगानिस्तान
(d) बंगलादेश और म्यानमार।

12. बंगाल की खाड़ी में स्थित केन्द्रशासित प्रदेश है—
(a) लक्षद्वीप
(b) श्रीलंका
(c) मालदीव
(d) अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत का अक्षांशीय एवं देशान्तरीय विस्तार लिखिए।
2. उपमहाद्वीप क्या है? भारत को प्राय: उपमहाद्वीप क्यों कहा जाता है?
3. भारत-पाकिस्तान अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा के विषय मे आप क्या जानते हैं?
4. भारत के मध्य से कौन-सी देशान्तर और अक्षांश रेखाएँ गुजरती हैं?
5. भारत की तटरेखा की कुल लम्बाई कितनी है?
6. इन्दिरा प्वाइंट किस द्वीप समूह में स्थित था? यह किस कारण सागर में समा गया?
7. भारत की स्थलीय सीमा की लम्बाई तथा इसका पूर्व-पश्चिम एवं उत्तर-दक्षिण विस्तार बताइए।
8. कन्याकुमारी और कश्मीर में दिन-रात की अवधि मे अन्तर क्यों है?
9. भारत एवं यूरोप के मध्य की दूरी किस जलमार्ग द्वारा लगभग 7000 किलोमीटर कम हो गई है?
10. उन दो मार्गों के नाम लिखिए जिनके द्वारा भारत, यूरोप एवं उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका से जुड़ा है।
11. भारत के सुदूर पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के लिए क्या यह नाम उपयुक्त है? कारण बताइए।
12. भारत की दक्षिणी सीमा किस प्रकार श्रीलंका से अलग होती है?

(a)
(b)
(c)
(d)

6. भारत
(a)
(c)

7. गुजर
अन्त
(a)
(c)

8. भार
सम
(a)
(c)

9. भा
(a)
(b)
(c)
(d)

10. भा
(a)
(c)

- भारत और विश्व
- भारत के पड़ोसी देश
- अध्याय का सारांश
- NCERT Zone
- अभ्यास प्रश्न
- रेखाचित्र सम्बन्धी प्रश्न।

स्थिति

भारत एक विशाल देश है। यह उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है और इसका मुख्य भाग 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश तथा 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व देशान्तर तक है। कर्क रेखा 23°30' उत्तर में देश को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है। मुख्य भूभाग के दक्षिण-पूर्व में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में तथा दक्षिण-पश्चिम में लक्षद्वीप अरब सागर में स्थित हैं।

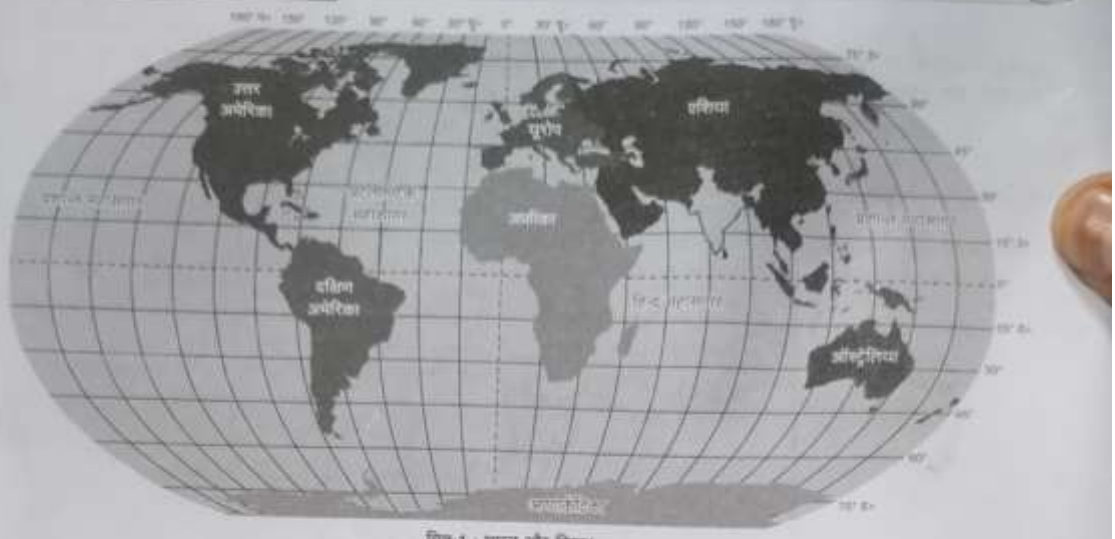

चित्र-1 : भारत और विश्व।

आकार

भारत के भूभाग का कुल क्षेत्रफल लगभग 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है। अंकित आरेख (चित्र-2) से स्पष्ट है कि क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का सातवाँ बड़ा देश है। भारत की स्थल सीमा रेखा लगभग 15,200 किलोमीटर और समुद्री तट रेखा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के साथ 7,516.6 किलोमीटर है।

भारत के उत्तर-पश्चिम, उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी सीमा पर नवीनतम वलित पर्वत हैं। इसके दक्षिण का भूभाग उत्तर में चौड़ा है और 22° उत्तरी अक्षांश से हिन्द महासागर की ओर संकरा होता गया है। भारत की पश्चिम दिशा में अरब सागर तथा पूर्व दिशा में बंगाल की खाड़ी स्थित है।

निम्नांकित चित्र (चित्र-3) से स्पष्ट है कि अक्षांश और देशान्तर का विस्तार लगभग 30° है। लेकिन फिर भी पूर्व-पश्चिम का विस्तार उत्तर-दक्षिण के विस्तार की अपेक्षा कम प्रतीत होता है।

गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में दो घण्टे का अन्तर है इसीलिए 82°30' पूर्व देशान्तर रेखा को भारत की **मानक याम्योत्तर** माना गया है जो कि उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद (प्रयागराज) जिले के क्षेत्र मिर्जापुर से गुजरती है। अक्षांश का प्रभाव दक्षिण से उत्तर की ओर, दिन और रात के समय पर पड़ता है।

- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15,200 किलोमीटर है। उत्तर से दक्षिण में इसकी लम्बाई 3,214 किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम में इसकी लम्बाई 2,933 किलोमीटर है। भारत के गुजरात राज्य की तटीय सीमा सर्वाधिक लम्बी है।
- भारत 68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। 82°30' पूर्वी देशान्तर रेखा भारत की मानक देशान्तर रेखा है, जिसे मानक याम्योत्तर कहते हैं। भारतीय मानक समय (IST) ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान, केन्द्र में स्वयं (भारत), उत्तर में नेपाल, उत्तर-पूर्व में भूटान और पूर्व में बंगलादेश, ये पाँच देश मिलकर भारतीय उपमहाद्वीप कहलाते हैं।

- 82°30' पू० देशान्तर को भारत का मानक याम्योत्तर कहते हैं। यह मानक समय को निर्धारित करता है। मानक समय वह समय है जो किसी देश के लोगों के व्यवहार के लिए स्वीकृत होता है। इससे हमारी समय सम्बन्धी स्थानीय आवश्यकता तो पूरी हो जाती है किन्तु यह अन्य स्थानों या देशों के लिए उपयोगी नहीं होता।
- भारत का सबसे दक्षिणी बिन्दु इन्दिरा प्वाइंट है। यह भारत के निकोबार द्वीप समूह के बड़े निकोबार द्वीप पर स्थित एक गाँव है। सन् 2004 में सुनामी की लहरों के कारण यह समुद्र में डूब गया।
- सन् 1869 में स्वेज नहर के खुल जाने के कारण भारत और यूरोप के बीच की दूरी 7,000 किलोमीटर कम हो गई। स्वेज नहर लाल सागर और भूमध्य सागर को आपस में जोड़ती है।

ज्ञात कीजिए

82°30' पूर्व देशान्तर को भारत का मानक याम्योत्तर क्यों माना गया है?

- मानक मध्याह्न रेखा अथवा मानक याम्योत्तर किसी देश के मानक समय को निर्धारित करती है। पूरे देश में सभी कार्य इसी रेखा के समय के अनुसार होते हैं। यदि ऐसा न हो तो देश की परिवहन एवं संचार व्यवस्था, कार्यालयों में होने वाले कार्य तथा अन्य सभी गतिविधियों में समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अतः भारत के लिए भी प्रामाणिक देशान्तर रेखा का होना अनिवार्य है। हमारे देश में 82°30' पूर्व की देशान्तर रेखा को मानक मध्याह्न रेखा अथवा मानक याम्योत्तर निर्धारित किया गया है। इस रेखा का समय ही भारत का मानक समय है।

कन्याकुमारी और कश्मीर में दिन-रात की अवधि में अन्तर क्यों है?

- देश का उत्तर-दक्षिण विस्तार भारत के विभिन्न भागों में दिन-रात की लम्बाई में अन्तर उत्पन्न करता है। कन्याकुमारी (लगभग 8° उत्तर अक्षांश) भूमध्य रेखा के निकट है। यहाँ दिन-रात लगभग समान अवधि के होते हैं। परन्तु कश्मीर (लगभग 37° उत्तर अक्षांश) भूमध्य रेखा से दूर है। यहाँ सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं, परिणामस्वरूप यहाँ दिन-रात की अवधि में पाँच घण्टे का अन्तर होता है। पृथ्वी के अक्ष के झुकाव के कारण भी भूमध्य रेखा से दूर स्थित भागों में ग्रीष्मकाल में दिन की अवधि रात से अधिक होती है।

भारत और विश्व

भारत एशिया महाद्वीप के पूर्व व पश्चिम दिशा के मध्य में स्थित है। वस्तुतः भारतीय भूभाग एशिया महाद्वीप का दक्षिणी विस्तार है। हिन्द महासागर भारत को केन्द्रीय स्थिति प्रदान करता है क्योंकि यह पश्चिम दिशा में स्थित यूरोपीय देशों और पूर्व दिशा में अवस्थित एशियाई देशों को मिलाता है। दक्षिण का पठार हिन्द महासागर में शीर्षवत् विस्तृत है और पश्चिम एशिया, अफ्रीका व यूरोप के देशों के साथ-साथ पूर्वी एशिया के देशों से भी पूर्वी तट के द्वारा निकटतम सम्बन्ध स्थापित करता है। हिन्द महासागर में किसी भी देश की तटीय सीमा भारत के समान नहीं है। हिन्द महासागर में भारत की महत्त्वपूर्ण स्थिति के कारण ही एक महासागर का नाम भारत के नाम पर रखा गया है।

भारत का विश्व के देशों से सम्बन्ध एवं आदान-प्रदान

भारत का विश्व के विभिन्न देशों के साथ सम्पर्क बहुत पुराना है। यह सम्बन्ध समुद्री जलमार्गों की तुलना में भूमार्गों से अधिक था। इसी पर्वतों के दर्रों से बहुत-से यात्री प्राचीन काल में भारत आए क्योंकि समुद्री मार्ग बहुत समय तक ज्ञात नहीं थे।

आवागमन के विभिन्न मार्गों से प्राचीन समय से विचारों और वस्तुओं का आदान-प्रदान होता रहा है। भारत का पश्चिम-मध्य और पूर्वी एशिया तथा दक्षिणी एशिया के पड़ोसी देशों के साथ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सम्पर्क रहा है। सम्पर्कों के कारण ही उपनिषदों के विचार, रामायण तथा पंचतन्त्र की कहानियाँ, भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली आदि विश्व के विभिन्न भागों तक पहुँच सके। मसाले, मलमल आदि कपड़े तथा व्यापार के अन्य सामान भारत से विभिन्न देशों में ले जाए जाते थे। इसी के साथ यूनानी स्थापत्यकला तथा पश्चिमी एशिया की वास्तुकला के प्रतीक मीनारों तथा गुम्बदों का प्रभाव हमारे देश की स्थापत्य कला पर पड़ा।